SET – 2

Series : TYM/C

कोड नं.
Code No. 3/2

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी

HINDI

(पाठ्यक्रम अ)

(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के ***चार*** *खंड हैं –* ***क, ख, ग*** *और* ***घ*** *।*

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग **20** शब्दों में लिखिए : **7**

निर्मम कुम्हार की थापी से कितने रूपों में कुटी–पिटी
हर बार बिखेरी गई किंतु मिट्टी फिर भी तो नहीं मिटी ।
आशा में निश्छल पल जाए, छलना में पड़कर छल जाए
सूरज दमके तो तप जाए, रजनी ठुमके तो ढल जाए
यों तो बच्चों की गुड़िया–सी, भोली मिट्टी की हस्ती क्या
आँधी आए तो उड़ जाए, पानी बरसे तो गल जाए ।
फ़सलें उगतीं, फ़सलें कटतीं लेकिन धरती चिर उर्वर है ।
सौ बार बने सौ बार मिटे लेकिन धरती अविनश्वर है ।
मिट्टी की महिमा मिटने में मिट–मिट हर बार सँवरती है ।
मिट्टी मिट्टी पर मिटती है, मिट्टी मिट्टी को रचती है ।

(क) वे कौन–सी परिस्थितियाँ हैं, जो मिट्टी के स्वरूप को मिटाने में असफल रहती हैं ? **2**

(ख) धरती के सदा उर्वर रहने का क्या प्रमाण है ? **1**

(ग) 'भोली मिट्टी की हस्ती क्या' कवि ने ऐसा क्यों कहा है ? **2**

(घ) मिटाने का प्रयास करने पर भी धरती कैसी रहती है ? **1**

(ङ) सूरज के दमकने पर मिट्टी पर क्या प्रभाव पड़ता है ? **1**

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग **20** शब्दों में लिखिए : **8**

जिसके जीवन में जितने अधिक दुख होते हैं वह उतना ही सबल होकर सुख की यात्रा पर निकलता है, क्योंकि दुख विपरीत स्थितियों से जूझने की क्षमता का विकास कर हमारी ऊर्जा को जगाते हैं । कभी-कभी मौसम में बड़ी विषमता दिखाई देती है । गर्मियों में वर्षा हो जाती है और शीतल वायु मौसम को सुहावना बना देती है । कई बार बरसात के मौसम में बादलों का नामोनिशान तक नहीं रहता । कभी सर्दी के मौसम में ठंड और कोहरे से निज़ात मिल जाती है । मौसम की यह प्रतिकूलता हमारे अहित में नहीं होती । यही बात मनुष्य के जीवन में सुख-दुख के संबंध में उतनी ही सटीक है । व्यक्ति तथा समाज दोनों के विकास के लिए परस्पर विरोधी भावों का होना अनिवार्य है । ग्रीष्म हो या वर्षा, पतझड़ हो या वसंत, वे एक दूसरे के विरोधी नहीं अपितु पूरक हैं । एक के अभाव में दूसरे में आनंद कहाँ ? सुख की अनुभूति के लिए दुख की अनुभूति होनी आवश्यक है । इसके द्वारा हमारे अंदर की ऊर्जा जागती है । दुखों से कोई भाग नहीं सकता, उनसे जूझना ही पड़ता है । पहिये की तीलियों की भाँति सुख-दुख ऊपर-नीचे होते हैं । जीवन भी एक चक्र ही है और चक्र टिकता नहीं, गतिशील रहता है ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **1**

(ख) लेखक ने मौसम की विषमता का उदाहरण क्यों दिया है ? **2**

(ग) पहिये का उल्लेख क्यों किया गया है ? **1**

(घ) मनुष्य दुखों का सामना करने से सबल कैसे बन जाता है ? **2**

(ङ) सुख की अनुभूति के लिए क्या आवश्यक है ? क्यों ? **2**

खंड 'ख'

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : **1 × 3 = 3**

(क) परिश्रम करने से लोग जीवन में सफल होते हैं।

(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) मैं अस्वस्थ था इसलिए परीक्षा नहीं दे सका।

(सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) जो अध्यापिका हिंदी पढ़ाती हैं, वे मेरी माँ हैं।

(आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद लिखिए)

4. रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : **1 × 4 = 4**

<u>आजकल</u> <u>देश</u> प्रगति के <u>मार्ग पर</u> <u>बढ़ रहा है</u>।

5. (क) काव्यांश में निहित रस पहचानकर लिखिए : **1**

हे सारथे ! हैं द्रोण क्या, देवेंद्र भी आकर अड़ें,
है खेल क्षत्रिय बालकों का व्यूहभेदन कर लड़ें।
मैं सत्य कहता हूँ सखे ! सुकुमार मत जानो मुझे,
यमराज से भी युद्ध को प्रस्तुत सदा मानो मुझे।।

(ख) वात्सल्य रस का स्थायीभाव क्या है ? **1**

(ग) शृंगार रस के स्थायी भाव का नाम लिखिए। **1**

(घ) करुण रस का एक उदाहरण लिखिए। **1**

6. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तित कीजिए : **1 × 4 = 4**

(क) मैं इस पेड़ पर नहीं चढ़ सकता। (भाववाच्य में)

(ख) क्या आपके द्वारा पूरी कहानी पढ़ ली गई। (कर्तृवाच्य में)

(ग) चलो, घूमने चलते हैं। (वाच्य का भेद लिखिए)

(घ) फादर रिश्ते बनाकर तोड़ते नहीं थे। (कर्मवाच्य में)

खंड 'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग **20** शब्दों में लिखिए :

पाँयनि नूपुर मंजु बजैं, कटि किंकिनि कै धुनि की मधुराई ।
साँवरे अंग लसै पट पीत, हिये हुलसै बनमाल सुहाई ।
माथे किरीट बड़े दृग चंचल, मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई ।
जै जग-मंदिर-दीपक सुंदर, श्रीब्रजदूलह 'देव' सहाई ।।

(क) 'जग-मंदिर-दीपक' और 'ब्रजदूलह' किसके लिए और क्यों प्रयुक्त हुआ है ? **2**

(ख) उसके मुख और नेत्रों की शोभा के बारे में क्या कहा गया है ? **2**

(ग) सवैये में किसके आभूषणों और वेशभूषा का वर्णन किया गया है ? **1**

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग **20** शब्दों में लिखिए : **2 × 4 = 8**

(क) 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर फागुन की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) मनुष्य किन कारणों से भ्रमित होकर चारों ओर भटकता है ? 'छाया मत छूना' कविता के आधार पर लिखिए ।

(ग) संगतकार किसे कहते हैं ? उसकी आवाज़ में एक हिचक-सी क्यों प्रतीत होती है ?

(घ) 'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है जलने के लिए नहीं' कहकर कवि ने समाज पर क्या व्यंग्य किया है ?

9. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग **20** शब्दों में लिखिए :

बेटे के क्रिया-कर्म में तूल नहीं किया; पतोहू से ही आग दिलाई उसकी । किंतु ज्योंही श्राद्ध की अवधि पूरी हो गई, पतोहू के भाई को बुलाकर उसके साथ कर दिया, यह आदेश देते हुए कि इसकी दूसरी शादी कर देना । इधर पतोहू रो-रोकर कहती – मैं चली जाऊँगी तो बुढ़ापे में कौन आपके लिए भोजन बनाएगा ? बीमार पड़े, तो कौन एक चुल्लू पानी भी देगा ? मैं पैर पड़ती हूँ, मुझे अपने चरणों से अलग नहीं कीजिए । लेकिन भगत का निर्णय अटल था । तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा – यह थी उनकी आखिरी दलील और इस दलील के आगे बेचारी की क्या चलती ?

(क) भगत की पतोहू उन्हें छोड़कर नहीं जाना चाहती थी । दो कारणों का उल्लेख कीजिए । **2**

(ख) भगत ने पतोहू के भाई को बुलाकर क्या आदेश दिया ? **1**

(ग) बालगोबिन भगत द्वारा पुत्र का दाह-संस्कार पतोहू से ही कराने तथा विधवा बहू की दूसरी शादी रचाने के निर्देश में उनकी किस विचारधारा का परिचय मिलता है ? **2**

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग **20** शब्दों में लिखिए : **2 × 4 = 8**

(क) कुलसुम की देसी घी वाली दुकान में बनी कचौड़ी को बिस्मिल्ला खाँ संगीतमय कचौड़ी क्यों कहते थे ?

(ख) 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' – यह विशेषण फादर की किन विशेषताओं का व्यंजक है ?

(ग) मन्नू भंडारी ने डॉ. अंबालाल की प्रशंसा को उनका स्नेह क्यों बताया ?

(घ) महावीरप्रसाद द्विवेदी ने किन्हें विक्षिप्त और ग्रहग्रस्त कहा है ? क्यों ?

11. हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है । आज विज्ञान का दुरुपयोग किस रूप में हमारे सामने आ रहा है ? 'मैं क्यों लिखता हूँ ?' पाठ के आधार पर मानव-मूल्यों की दृष्टि से लगभग **150** शब्दों में उत्तर दीजिए । **4**

अथवा

जन-जागरण में समाचार-पत्रों की क्या भूमिका होती है ? 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर जीवन-मूल्यों की दृष्टि से लगभग **150** शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

खंड 'घ'

12. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर **200** से **250** शब्दों में निबंध लिखिए : **10**

(क) मीडिया की भूमिका

- मीडिया का अर्थ
- सकारात्मक भूमिका
- नकारात्मक भूमिका

(ख) समय अमूल्य धन है

- धन क्यों ?
- कैसे ?
- दुरुपयोग से हानि

(ग) ग्लोबल वार्मिंग

- आशय
- स्वरूप
- बचाव के उपाय

13. आप एक पुरानी कार बेचना चाहते हैं । कार के विषय में सभी विवरण देते हुए लगभग **50** शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए । **5**

अथवा

मतदान अधिकार के प्रति जागरूक करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से समाचार-पत्र के लिए लगभग **50** शब्दों में एक विज्ञापन लिखिए ।

14. आपके छोटे भाई ने वार्षिक परीक्षा में महत्त्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है । पुरस्कार में वह पिताजी से एक मोटर साइकिल चाहता है । उसे पत्र लिखकर समझाइए कि वयस्क होने से पहले वाहन चलाना ठीक नहीं है । **5**

अथवा

विद्यालय में दसवीं कक्षा की परीक्षा से पूर्व विभिन्न विषयों के अध्यापन की अच्छी व्यवस्था करने के लिए प्राचार्य एवं अध्यापकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का एक पत्र लिखिए ।